भारत - कीनिया संबंध

कीनिया की सीमाएं युगांडा, दक्षिण सूडान, इथोपिया, सोमालिया और तंजानिया से लगती हैं। 1963 में ब्रिटिश शासन से इसे आजादी प्राप्त हुई। राष्ट्रपति जोमो कीनयाटा (1963-78), राष्ट्रपति डेनियल अरप मोई (1978-2002), राष्ट्रपति मवाई किबाकी (2002-2013) द्वारा इसका नेतृत्व किया गया है। 9 अप्रैल, 2013 को महामहिम यूहूरू कीनयाटा के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। महामहिम विलियम रूटो उप राष्ट्रपति हैं। कीनिया ने एक नए संविधान को अनुमोदित किया जो 27 अगस्त, 2010 से लागू हुआ है। 42 मिलियन की आबादी वाला कीनिया एक अत्यधिक नृजातीय विविधता वाला देश है। भारतीय डायसपोरा ने कीनिया की प्रगति में योगदान किया है। कीनिया के अनेक लोगों ने भारत में पढ़ाई की है। हाल के समय में, भारत और कीनिया के बीच व्यापार (2014-15 में 4.235 बिलियन अमरीकी डालर) और निवेश साझेदारी बढ़ रही है। भारतीय फर्मों ने दूर संचार, पेट्रो रसायन एवं रसायन, फूलों की खेती आदि में निवेश किया है तथा विद्युत एवं अन्य क्षेत्रों में इंजीनियरिंग की संविदाओं को निष्पादित किया है।

भारत ने 1948 में नैरोबी में ब्रिटिश ईस्ट अफ्रीका के लिए आयुक्त के कार्यालय (आगे चलकर महा आयुक्त) की स्थापना की। दिसंबर, 1963 में कीनिया की आजादी के बाद एक उच्चायोग की स्थापना की गई। इसके अलावा, मुम्बासा में भारत का एक सहायक उच्चायुक्त भी है।

उप राष्ट्रपति डा. एस राधाकृष्णन ने जुलाई, 1965 में कीनिया का दौरा किया था। श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1963 में कीनिया के स्वतंत्रता समारोह में भाग लिया था। राष्ट्रपति डेनियल अरप मोई ने फरवरी, 1981 में भारत का दौरा किया। राष्ट्रपति श्री नीलम संजीव रेड्डी और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी उसी साल कीनिया का दौरा किया था।

1999 में एक संयुक्त आयोग का गठन किया गया। बैठक के दौरान विदेश कार्यालय परामर्श पर एक समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किया गया।

माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार के नेतृत्व में सितंबर, 2010 में नैरोबी में 56वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने कीनिया का दौरा किया। माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा ने प्रधानमंत्री ओडिंगा से मुलाकात की तथा अक्टूबर, 2010 में भारत - कीनिया संयुक्त व्यापार समिति के छठवें सत्र के लिए कीनिया की अपनी यात्रा के दौरान माननीय व्यापार मंत्री राजदूत चिराउ अली मवाकवेरे से परामर्श किया। वर्ष 2010 के दौरान कीनिया प्रधानमंत्री माननीय रायला ओडिंगा ने विश्व आर्थिक मंच द्वारा आयोजित भारत आर्थिक शिखर बैठक में भाग लेने के लिए नंवबर में भारत की अपनी यात्रा के दौरान माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह से मुलाकात की। उन्होंने वर्ष 2009 में गुजरात का दौरा किया था। माननीय विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने 27-28 मई, 2011 को नैरोबी का दौरा किया था। इस यात्रा के दौरान उन्होंने उप प्रधानमंत्री तथा स्थानीय शासन मंत्री माननीय मुसालिया मुदावडी से मुलाकात की।

कीनिया गणराज्य के राष्ट्रपति माननीय श्री मवाई किबाकी ने 24-25 मई, 2011 को आदिस

आबाबा में आयोजित दूसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लिया। उन्होंने मंच शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में 25 मई को प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह से मुलाकात की।

माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डा. शशि थरूर ने प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में 9 अप्रैल, 2013 को नैरोबी में कीनिया के राष्ट्रपति यूहूरू कीनयाटा के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। उन्होंने 10 अप्रैल को राष्ट्रपति कीनयाटा से मुलाकात की।

माननीय प्रधानमंत्री के विशेष दूत तथा माननीय विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने 12 दिसंबर, 2013 को नैरोबी में कीनिया की आजादी की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लिया।

माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रकाश जावेडकर ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू एन ई पी) की संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यू एन ई ए) के उद्घाटन सत्र के मंत्री स्तरीय सेग्मेंट में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। भारत के नौसेना प्रमुख ने नवंबर, 2014 में कीनिया का दौरा किया।

राष्ट्रपति उहरू केनियाटा के नेतृत्व में कीनिया के शिष्टमंडल ने 26 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की। कीनिया की विदेश मंत्री सुश्री अमीना मोहम्मद भी इस शिष्टमंडल का हिस्सा थीं तथा उन्होंने 23 अक्टूबर 2015 को आई ए एफ एस व्यापार मंत्री बैठक में भी भाग लिया। इससे पहले जुलाई 2015 में प्रधानमंत्री के विशेष दूत तथा विदेश राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह ने अक्टूबर 2015 में आयोजित होने वाले तीसरे भारत - अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री का निमंत्रण सौंपने के लिए नैरोबी का दौरा किया।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मल सीतारमन के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 15 से 19 दिसंबर 2015 के दौरान नैरोबी में आयोजित 10वीं डब्ल्यू टी ओ मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रपति केनियाटा तथा कीनिया की विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय चर्चा की।

नौसेना के स्तर पर यात्रा की एक लंबी परंपरा रही है तथा इस तरह की पिछली यात्रा सितंबर - अक्टूबर, 2014 में आई एन एस जमुना, अक्टूबर, 2014 में पश्चिमी बेड़े और नवंबर, 2014 में भारत के नौसेना प्रमुख की यात्रा तथा फरवरी 2016 में आई सी जी एस समर्थ की यात्रा थी।

कीनिया हिंद महासागर परिधि संघ का संस्थापक सदस्य है।

आर्थिक एवं कारोबारी संपर्क

भारत - कीनिया व्यापार करार पर हस्ताक्षर 1981 में किया गया जिसके तहत दोनों देशों ने एक - दूसरे को सर्वाधिक मनपसंद राष्ट्र का दर्जा प्रदान किया। इस करार के अनुवर्तन के रूप में 1983 में मंत्री स्तर पर भारत - कीनिया संयुक्त व्यापार समिति (जे टी सी) का गठन किया गया। संयुक्त व्यापार समिति की अब तक 7 बैठकें हो चुकी हैं तथा पिछली बैठक फरवरी, 2015

में नई दिल्ली में हुई थी। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री तथा कीनिया नेशनल चेंबर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (के एन सी सी आई) द्वारा 1985 में एक संयुक्त व्यवसाय परिषद का गठन किया गया। केएनसीसीआई ने 1996 में भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

विकास सहयोग :

भारत ऋण एवं उधार के रूप में कीनिया विकास सहायता की पेशकश करता है। इसमें इंडस्ट्रियल डवलपमेंट बैंक कैपिटल लिमिटेड को एग्जिम बैंक द्वारा ऋण सहायता तथा 1982 में कीनिया सरकार को 50 मिलियन रूपए का ऋण शामिल है। विद्युत पारेषण के क्षेत्र में उपयोग के लिए कीनिया सरकार को भारत के एक्जिम बैंक द्वारा 61.6 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए एक करार पर हस्ताक्षर नवंबर, 2010 में प्रधानमंत्री राइला ओडिंगा की भारत यात्रा के दौरान किया गया।

अप्रैल 2015 में कृषि यंत्रीकरण परियोजना के लिए भारत सरकार ने कीनिया सरकार को 100 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता अनुमोदित की, जनवरी 2016 में भारत सरकार ने विभिन्न एस एम ई के विकास के लिए आई डी बी कैपिटल लिमिटेड कीनिया को 30 मिलियन अमरीकी डालर में से पहली खेप के रूप में 15 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया तथा फरवरी 2016 में रिफ्ट वैली टेक्सटाइल फैक्ट्री (रिवाटेक्स ईस्ट अफ्रीका लिमिटेड) के उन्नयन के लिए कीनिया सरकार को भारत सरकार द्वारा 29.95 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता अनुमोदित की गई।

1998 में, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम तथा कीनिया इंडस्ट्रियल एस्टेट लि. के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। 2003 में, भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन तथा कीनिया की निर्यात संवर्धन परिषद के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया।

परियोजना के संबंध में जुलाई, 2009 में टी सी आई एल तथा कीनिया के सूचना एवं संचार मंत्रालय के बीच एक करार पर हस्ताक्षर किया गया। वर्ष 2010 में टी सी आई एल द्वारा उपकरण की डिलीवरी की गई। अगस्त, 2011 में नैरोबी में कीनयाटा नेशनल हास्पिटल में तथा किसुमू में सितंबर, 2011 में मासेनो विश्वविद्यालय के प्लाजा अध्ययन केंद्र में वी-सैट टर्मिनल लगाए गए।

व्यापार

कीनिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार एवं निवेश साझेदार है। 2014-15 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 4.235 बिलियन अमरीकी डालर था।

भारत के निर्यात का मूल्य 4.12 बिलियन अमरीकी डालर के करीब था।

भारत - कीनिया व्यापार (यूएस मिलियन डॉलर में)

वर्ष	भारतीय निर्यात	भारतीय आयात	कुल व्यापार
2012-13	3.77	0.106	3.876
2013-14	3.893	0.127	4.019
2014-15	4.118	0.117	4.235
2015-16 (अप्रैल से नवंबर)	2.018	0.078	2.096

स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत और कीनिया राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो

भारत की ओर से कीनिया को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से भेषज पदार्थ, स्टील उत्पाद, मशीनरी, यार्न, वाहन एवं विद्युत पारेषण उपकरण शामिल हैं। भारत की ओर से कीनिया से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से सोडा ऐश, सब्जियां, चाय, चमड़ा तथा मेटल स्क्रैप शामिल हैं।

निवेश :

टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने 2005 में मगादी सोडा कंपनी लिमिटेड का अधिग्रहण किया। भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की अनेक अग्रणी बीमा कंपनियों की कीनइंडिया एसोरेंस कंपनी लि. में भागीदारी है। कीनिया में कारोबार में भारतीय कारपोरेट जगत द्वारा अधिक हाल के निवेशों में निम्नलिखित शामिल हैं : एस्सार इनर्जी (पेट्रोलियम रिफाइनरी), भारती एयरटेल, रिलायंए इंडसट्री (पेट्रोलियम रिटेल), टाटा (अफ्रीका) (आटोमोबाइल), आईटी (फार्मास्यूटिकल्स) आदि। केईसी, करूतरी लि., कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन लि., पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया, क्रिलोस्कर ब्रादर्स लि., महिंद्रा एंड महिंद्रा, थर्मेक्स, विप्रो, जैन इरिगेशन सिस्टम लि., पुंज लियोड, वी आई एल लि., एमक्योर, डा. रेड्डी, सिपला, कैडिला, टी वी एस एवं महिंद्रा सिस्टम आदि सहित अनेक भारतीय फर्मों की कीनिया में कारोबारी उपस्थिति है तथा बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा की भी कीनिया में उपस्थिति है। एचडीएफसी तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के कीनिया में प्रतिनिधि कार्यालय हैं।

वर्ष 1989 में एक भारत - कीनिया दोहरा कराधान परिहार करार (डी टी ए ए) पर हस्ताक्षर किया गया। डीटीएए की समीक्षा के लिए दूसरे चक्र की वार्ता का आयोजन नवंबर, 2010 में नैरोबी में हुआ।

संपर्क एवं यात्रा

एयर इंडिया की उड़ान अदेन होते हुए नैरोबी जाती है, जिसकी शुरूआत 21 जनवरी, 1951 को हुई थी, जो लंदन के बाद इस कैरियर का दूसरा ओवरसीज रूट है तथा यह जनवरी, 2010 में समाप्त हो गया तथा एयर इंडिया में मार्च, 2011 में नैरोबी स्थित अपने कार्यालय को बंद कर दिया। कीनिया एयरवेज की उड़ानें मुंबई आती हैं। कीनिया एयरवेज ने 2010 में जेट एयरवेज के साथ एक कोड शेयर करार पर हस्ताक्षर किया। विदेशी एयरलाइंस दोहा, दुबई, अबूधाबी एवं

शारजाह होते हुए भी हवाई संपर्क उपलब्ध कराती हैं।

कीनिया के अनेक लोग भारत में रहते हैं और पढ़ाई करते हैं। हर साल भारत के लिए लगभग 18,000 वीजा जारी किया जाता है। अनेक भारतीय पर्यटन के लिए और कारोबार के सिलसिले में भी कीनिया की यात्रा करते हैं।

शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संपर्क

भारत सरकार ने 2014-15 में कीनिया के नागरिकों के लिए 164 छात्रवृत्तियों की पेशकश की। इनमें भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवर प्रशिक्षण के लिए छात्रवृत्तियां तथा संबद्ध स्कीमें और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की छात्रवृत्तियां शामिल हैं। 1981 में एक सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किया गया। कीनिया ने नई दिल्ली में आयोजित 19वें राष्ट्रमंडल खेल में अपना अब तक का सबसे बड़ा खेल दल भेजा।

कीनिया के स्वर्गीय नोबल पुरस्कार विजेता तथा पर्यावरणविद प्रो. वंगारी माथई को राष्ट्रपति श्री ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा मार्च, 2007 में अंतर्राष्ट्रीय सूझ-बूझ के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार 2005 तथा नवंबर, 2007 में राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल द्वारा शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार 2006 प्रदान किया गया।

कीनिया में भारतीय समुदाय एवं डायसपोरा

हालांकि भारत और पूर्वी अफ्रीका के बीच व्यापार संबंध पिछली कई शताब्दियों से चले आ रहे हैं, भारत से हाल के पलायन 19वीं शताब्दी में तथा 20वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में लामू, जंजीबार एवं मुंबासा के माध्यम से हुए। यूगांडा के रेल रोड पर काम करने के लिए भारी संख्या में भारतीयों को लाया गया। इसके बाद धीरे-धीरे सौदागर, कारीगर तथा अन्य लोग भी आते गए। अंततः, भारतीय मूल के व्यक्तियों का एक जीवंत समुदाय निर्मित हो गया जिनकी वर्तमान में अनुमानित संख्या 80,000 है जिसमें 20,000 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

कीनिया की आजादी से पहले के काल में भारतीय- कीनियाई समुदाय की प्रमुख हस्तियों में मजदूर नेता माखन सिंह शामिल हैं। एम ए देसाई तथा पियो गामा पिंटो ने कीनिया के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रियता से भाग लिया। भारतीय संसद सदस्य दिवान चमन लल्ल जोमो कीनयाटा रक्षा टीम से जुड़े जिसमें भारतीय मूल के दो अन्य व्यक्ति - एफ आर एस डिसूजा (आगे चलकर कीनिया के डिप्टी स्पीकर बने) और आर के कपिला शामिल थे। भारतीय मूल के अनेक कीनियाई ने वकील, जज, डाक्टर और शिक्षाविद के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है।

कीनिया से भारतीय मूल के तीन व्यक्तियों को प्रवासी सम्मान से सम्मानित किया गया है : श्री मनीलाल प्रेमचंद चंदेरिया, श्री फिरोज नौरोजी तथा डा. एफ आर एस डिसूजा।

भारत - कीनिया मैत्री संघ (के आई एफ ए) का गठन 1981 में हुआ। वर्तमान अध्यक्ष डा. केनेथ

एस ओबोंगी हैं। भारी संख्या में ऐसे संघ हैं जो भारतीय समुदाय के बीच विभिन्न समुदायों तथा पूजा के अनेक स्थलों, विद्यालयों आदि का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पूर्वी अफ्रीका में एक भारतीय डायसपोरा भागीदारी बैठक का आयोजन 13-14 अप्रैल, 2012 को नैरोबी में प्रवासी भारतीय मामले मंत्रालय तथा प्रवासी भारतीय सुगमता केंद्र (ओ आई एफ सी) द्वारा भारतीय उच्चायोग के सहयोग से किया गया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, नैरोबी की वेबसाइट : http://www.hcinairobi.co.ke
भारतीय उच्चायोग, नैरोबी का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/pages/India-in-Kenya-High-Commission-of-India- Nairobi/894496970596247?ref=aymt_homepage_panel
भारतीय उच्चायोग, नैरोबी ट्विटर : https://twitter.com/IndiainKenya

***

फरवरी, 2016